

# नौकरियों में अब नहीं चलती सिफारिश : मुख्यमंत्री



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 15 अगस्त से पूर्व किए गए आङ्हान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत आज लखनऊ में 'गण प्रथम' के भाव के साथ आयोजित बाइंग तिरंगा यात्रा का उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारीरिक रूप से शुभारंभ किया। उत्तर प्रदेश सरकार ने 4.5 करोड़ घरों तक 'हर घर तिरंगा' अभियान को पहुंचाने का संकल्प लिया है।

## यूपीएससी चयनित अभ्यर्थियों को बांटे नियुक्ति-पत्र



लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज राज्य में नियक्षण व पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्तियाँ की जा रही हैं। आज नौकरी के लिए सिफारिश नहीं कावलियर चलती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने पूरी निष्पक्षता से चयन किया है। अब बिना किसी नियुक्ति-पत्र मिल रहा है। यह वही प्रदेश है जहां पहले दो दो होते थे। यहां पहले न बटी सुविधियाँ थीं और न व्यापारी। पहले युवाओं के सामने पहचान का संकट नहीं है। आप हीं जाते हैं तो शाकी की निगाह से नहीं सम्मान की निगाह से देखा जाता है। इसके लिए जनता को भी बधाई। 2017 से पहले कहीं जाने पर कमरा नहीं मिलता था। अब यूगी का नाम बोलने पर सम्मान मिलता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

सोइम ने कहा कि ऐसे में नव चयनितों को भी जिम्मेदारी बढ़ गई है। 1036 युवाओं को नियुक्ति-पत्र मिल रहे हैं। इसमें आरक्षण नियमों का पालन हुआ। पहले चाचा भीतरी में लूटने की होड़ लग जाती थी तभी हर नियुक्ति में व्यायालय का हस्तक्षेप होता था। अब बेरोज़गारी न्यूनतम स्तर पर है। जब विभिन्न ग्रन्डों के सीएए मिलते हैं तो कहते हैं कि अब यूगी के लोग लौट रहे हैं इसलिए कंपनियों में संकट हो रहा है। हमने सुक्षम का संकल्प लिया था, जो कर रहे हैं लेकिन कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं। लोगों के मन में अन्याय होने का भय पैदा कर रहे हैं।

उहोंने कहा कि पूर्व की सकारारों के कार्यकाल की तुलना में नौकरियों में 38 फॉस्टो अधिक ओसीसी का चयन हुआ है। आरक्षण का पूरी (शेष पृष्ठ-3 पर)

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज राज्य में नियक्षण व पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्तियाँ की जा रही हैं। आज नौकरी के लिए सिफारिश नहीं कावलियर चलती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने पूरी निष्पक्षता से चयन किया है। अब बिना किसी नियुक्ति-पत्र मिल रहा है। यह वही प्रदेश है जहां पहले दो दो होते थे। अब युवाओं के सामने पहचान का संकट नहीं है। आप हीं जाते हैं तो शाकी की निगाह से नहीं सम्मान की निगाह से देखा जाता है। इसके लिए जनता को भी बधाई। 2017 से पहले कहीं जाने पर कमरा नहीं मिलता था। अब यूगी का नाम बोलने पर सम्मान मिलता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के लिए आए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग क

## एक सुर-एक ताल

मं

डे मीटिंग के बाद मंत्री मीटिंग की अवधारणा में सरकार का 'कार्यबल' सशक्त होगा। सरकार से सचिवालय और सचिवालय से प्रदेश के फासले अगर महीने जाएं, तो राज्य का कदमताल, एक सुर-एक ताल बन जाए। हम युन: ट्रैफिक सिग्नल की बंद बैतियों को सुधारने के लिए टॉर्च लिए खाड़े हैं, बैकप्रैशन सुधारने के साथ उन्हें चाहिए। बैशक हर विभाग की जुबां में लिए हो सकता है और आग हस्ते की निगाहों में रोशनी खोजी जाए, तो बैठकों का मक्सद कार्रवाई में तबदील होगा, बशर्ते सरकार हाथी बनें के बजाय खरगोश बने। उपचार तो बहुत सुना मगर, हकीम की पुढ़िया नहीं मिलती। हकीम शिमला में, दवाखाना राजधानी में, लेकिन मरीज प्रदेश के किसी न किसी ठों पर। बीमारियां छोटी हैं, मसले छोटे हैं, लेकिन आखेर से पहियां नहीं खुल रहीं। सड़कों को बाहनों की पारिक बनाने वाले जस्तरमंद मार लिए जाएं तो ट्रैफिक पर जारी आदेश भी क्या कर लेंगे। प्रदेश परंपराओं और अनुभव से भी चलता है। पिछले इतिहास, दस्तावेज और आधे-अधे विकास को पूछता करने से चलता है। उदाहरण के लिए स्कूल छुट्टियों काट चुके हैं, लेकिन बरसात की पढ़ाई जारी है।

शिमला में शिक्षा विभाग के समान पहली जुलाई से 31 अगस्त के बीच छुट्टियों देने की परंपरा में आंख पर जो पहुंच बढ़ी रही, वह आने वाली बारियों के समूद्र में खुल जानी चाहिए। शिकायतों वही पुरानी और लंगर में वही पुराने लाभार्थी दाना चुगा रहे हैं। किसी ने किसी न किसी प्रयास से जनता को संदेश दिया कि अबकी बार सरकार आपके द्वार पहुंच रही है। जयराम सरकार जनमंच में शिकायतों का मंचन देखती रही, लेकिन प्रशासन ने अपना हठ नहीं छोड़ा। हर उन फाइलों में देखिए जो शिकायतों से दबी पड़ी हैं। पिछले सोमवार कहीं सचिवालय से दूर नगरी बगवां में जब चक्रा जाम हो रहा था वारां बंद करके कान के करीब गूंज रहा था, तो उसे किसने सुना। एक ट्रांसपोर्टर से हुई धोखाएँ का मुख्य पात्र इसी नगरी बगवां की प्रशासनिक बाहों से सुरक्षित बाहर निकलकर धूम रहा है, लेकिन पुलिस के पास यह फरियाद पहुंच नहीं रही। चौंदह करोड़ की वसूली बन कर भी किस कानून व्यवस्था की सुली बना रहेगा। कैबिनेट रैंक तो नगरी बगवां के हिस्से भी आया, मगर पूरा शहर जो पुकार रहा है, उसे सुनेगा कौन। मंत्रियों की बैठक से आशांत स्वाभाविक हैं और लोकतंत्र का सुनहरा पक्ष यही है कि नागरिक हमेशा उम्मीद पर जिंदा है। बहुन सारे मसले विभागीय सम्बन्ध के हैं, इसलिए 'मंत्री बैठक' में दिशा, दृष्टि और प्रभावशाली दिशाखेत देखने को मिल सकते हैं। मसलन पर्यटन की बात पर बिजली, पानी, परिवहन, कला-संस्कृति, पीडल्यूथी तथा पुलिस महकमे का तालमेल, सारा परिवर्शन बदल सकता है। उद्योग के साथ राजस्व, बन, परिवहन, प्रदूषण, अग्रिशमन व कराधान मंत्रालयों की सक्रियता, इसके अस्तित्व को जमजबूत कर सकते हैं। जिन्हें हम छोटा विभाग समझते हैं, उन्हें पारंगत करती हुई बैठकें खेल गतिविधियों, सांस्कृतिक समारोहों, दूध एवं मत्स्य उत्पादन तक के महत्व को बड़ा बना सकती हैं। ग्रामीण के साथ शहरी विकास मंत्रालय का कदमताल हो तो टीसीपी कानून की संपूर्ण व्याख्या में पूरे प्रदेश का नियोजन होगा। मंत्रिमंडल की बैठकों की ओपरेशनिक वेशभूत में जो कैबिनेट रैंक बाहर रह जाते, उन्हें मंत्रियों की बैठक में दायित्व निभाने का अवसर मिलेगा। जाहिर है यह सुखबु रसरकार की निपुणता की सोच है जो मंडे बैठकें शुरू करियाँ की बैठक की परिपक्वता में जोरदार आजमाझ करना चाहता है। जरूरी यह होगा कि मंत्रियों की बैठक का असर पूरे प्रदेश की आबोहवा में हो। ये बैठकें अगर महीने में एक बार शिला से बाहर हों, तो हर जिला की विभागीय कसरतों को आयाम मिलेगा।

## रामवरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि अब मैं आदरपूर्वक श्री शिवजी को सिर नवाकर श्री रामचन्द्रजी के गुणों की निर्मल कथा कहता हूँ। श्री हरि के चरणों पर सिर रखकर संवत् 1631 में इस कथा का आरंभ करता हूँ। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

नौमी भौम बार मधुमास। अवधपुरी यह चरित प्रकाश॥

जेहि दिन राम जन्म श्रुति गावहिं। तीरथ सकल जहाँ चल आवहिं॥ चैत्र मास की नवमी तिथि मंगलवार को श्री अयोध्याजी में यह चरित्र प्रकाशित हुआ। जिस दिन श्री रामजी का जन्म होता है, वेद कहते हैं कि उस दिन सारे तीर्थ वहाँ (श्री अयोध्याजी में) चले आते हैं।

असुर नाग खग नर मुनि देवा। आइ करहिं रुद्धनायक सेवा॥

जन्म महोत्सव रचहिं सुजाना। करहिं राम कल कीरति गाना॥

असुर-नाग, पक्षी, मनुष्य, मुनि और देवता सब अयोध्याजी में आकर श्री रुद्धनाथजी की सेवा करते हैं। बुद्धिमान लोग जन्म का महोत्सव मनाते हैं और श्री रामजी की सुंदर कीर्ति का गान करते हैं।

दो०- मज्जहिं सज्जन बूँद बहु पावन सरजू नीर।

जपहिं राम धरि ध्यान उर सुंदर स्याम सरीर॥

सज्जनों के बहुत से समूह उस दिन श्री सरयूजी के पवित्र जल में स्नान करते हैं और हृदय में सुंदर श्याम शरीर श्री रुद्धनाथजी का ध्यान करके उनके नाम का जप करते हैं॥ (क्रमशः...)

## श्रावण शुक्ल पक्ष : नवमी



मेष- (वृ, वै, चौ, ला, लौ, लू, लै, लौ, अ)

परिस्थितियां प्रतिक्लिन हैं। चोट चेपेट लग सकती है, किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा।



कृष- (कृ, ३, ए, ओ, वा, वी, वृ, वै, वौ)

आदंस्य जीवन गुजारा। स्वास्थ्य बहुत बढ़िया। प्रेम-संतान का भरपूर सहयोग। व्यापर बहुत अच्छा। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग।



मिथुन- (का, की, कु, घ, ड, छ, के, हो, हा)

श्रुओं पर भारी पड़े। कार्यों की विज्ञ-बाधा खत्म होगी। परेशानी जरूर होगी लेकिन जीत आपकी होगी।



कर्क- (है, हू, है, है, डौ, डौ, डौ, डौ, डौ, डौ)

बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूर-मैंसे से बच्चे। मानसिक उत्त-पटक होगी। स्वास्थ्य ठीक ठाक है।

## राशिफल

(विक्रम संवत् 2081)



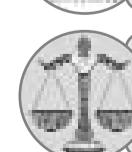
सिंह- (मा, गी, मृ, मे, मो, टा, टी, दु, टे)

गृहकलह के संकेत हैं। लेकिन भौतिक सुख-सपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम, संतान अच्छा है।



कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, घ, ठ, पै, पौ)

पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजारा में तरकी करेंगे। अपने का साथ होगा। व्यावसायिक स्थिति सुधूद होगी। स्वास्थ्य अच्छा।



तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तु, तू, त)

निवेश करने से बचे, धन हानि के संकेत हैं। जुबान में नियत्रण रखें। स्वास्थ्य ठीक गत। प्रेम, संतान मध्यम।



वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, ना, या, यी, यु)

भाग्य साथ देगा। ओजस्वी-तेजस्वी बने रहेंगे। जरूरत के हिसाब से बस्तुतूं उपलब्ध होंगे। स्वास्थ्य मध्यम।



शुन्- (ये, यो, भा, भी, भू, था, फा, ठा, भे)

मन अप्रसन्न रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। मानसिक अवसाद की स्थिति रहेगी।



मकर- (मो, जा, जी, जू, जौ, जौ, खा, खी, ख्य, ख्य, गा, गी)

आय के नवीन ज्ञोत बनेंगे। पुराने साधन से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान अच्छा।



कुम्भ- (गृ, गे, गो, ना, नी, सु, से, ष्ठी, द)

व्यापारिक स्थिति सुनुलित होगी। रोजी रोजारा में तरकी करेंगे। कहरी में विजय मिलेगी। रोजनीतिक लाभ।



वीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, वा, यि)

भाग्य साथ देगा। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ होगा। व्यापार भी अच्छा होगा।

## हिंदुओं पर अत्याचारों पर चुप्पी क्यों?

वाँ

रातदेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर भारत के विपक्षी दलों की खामोशी बताती है। यदि ऐसे ही हमले भारत या किसी पड़ोसी देश में मूलमानों पर हुए होते तो इनके लिए उसका असर अधिक होता है। इनके लिए उसका असर अधिक होता है। इनके लिए उसका असर अधिक होता है। इनके लिए

## निर्धारित अवधि में निस्तारित करें निवेश पोर्टल के आवेदन



**नोएडा (चेतना मंच)** | निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय अवधि में निस्तारण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मरीम कुमार वर्मा के अध्यक्षता में कलटेट सभागार में संबंधित विभागों के साथ निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उपसुक्त उद्योग अनिल कुमार ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि निवेश मित्र पोर्टल पर ग्रेटर नोएडा,

नोएडा विकास प्राधिकरण, भूर्ज जल विभाग तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के सबसे अधिक आवेदन लंबित चल रहे हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने उपरोक्त विभागों के अधिकारी एवं बैठक में उपस्थित अन्वेषण के अधिकारियों के साथ निवेश मित्र पोर्टल की समीक्षा बैठक में संबंधित के विश्वास अनुसार विभागीय कार्रवाई अमल में लाइ जाएगी।

नियमित शासन स्तर पर होती है कि उसी के अनुरूप जनदृष्टि की रैंकिंग भी तय होती है। इसलिए अधिकारीयों निवेश मित्र पोर्टल के महत्व को समझते हुए निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की निर्धारित समय अवधि में निस्तारित करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। यदि किसी भी विभाग के द्वारा निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के निस्तारण में कोई भी शिकायत वर्ती जाएगी तो संबंधित के विश्वास अनुसार विभागीय कार्रवाई अमल में लाइ जाएगी।

जिलाधिकारी ने बैठक में उन विभागों के अधिकारियों को भी निर्देश दिए जिनके द्वारा निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का निस्तारण देरी से किया जा रहा है एवं जिनके सबसे अधिक नेगेटिव फीडबैक प्राप्त हो रहे हैं। जिलाधिकारी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, नोएडा प्राधिकरण एवं श्रम विभाग के अधिकारियों से कार्रवाई के ऊपर प्रस्तुति देते हुए कहा कि निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का निस्तारण करने में किया जाए, यदि आवेदक के निस्तारण करने में पति पत्नी को नोकझोंक के ऊपर प्रस्तुत की गई कार्रवाई आकर्षण को दें।

## पति-पत्नी की नोकझोंक पर हुई कव्वाली ने बांधा समां



अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, राम चन्द्र बजाज, पी के अग्रवाल, बलराज गोयल, जे एल गुप्ता, डॉ नितिन अग्रवाल, डॉ सुरेश गुप्ता, डॉ आलोक गोयल, दिनेश मित्र इनानी, बी डी गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, राजेश खंडेलाल, श्रीमति अशु अग्रवाल, श्रीमती सपना बंसल, श्रीमती शिंधुजा बाजपेयी, श्रीमती मीनू अग्रवाल, श्रीमती सुजाता शर्मा, श्रीमती शालू गोयल, श्रीमती मीरा बजाज, इत्यादि शहर के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष अजय अग्रवाल, कांगाली ओम प्रकाश बंसल, महिला संयोजिका स्मृति गुप्ता, नैवेद्य शर्मा, महेन्द्र शाह, मुकुल बाजपेयी, डॉ एम के

## जन औषधि केंद्र से जांच के लिए 2 औषधि सैंपल लिए



**नोएडा (चेतना मंच)** | जिलाधिकारी गौतम बुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में जनपद के मेडिकल स्टोर्स पर औषधियों की सूची के अनुरूप पर्याप्त उपलब्धता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीयों निर्धारित समय अवधि में किया जाएगा।

औषधि निरीक्षक जय सिंह ने बताया कि औषधि की गुणवत्ता की जांच के क्रम में

भारतीय जन औषधि केंद्र ओमेगा-1 ग्रेटर नोएडा के मेडिकल स्टोर से पैंटैप्रोजॉल गैस्ट्रो प्रतिरोधी एंड डोमपेरीडोन के प्लूल तथा सीतारिलिटिन हाइड्रोक्सिराइड टैबलेट कुल 02 औषधियों के नमूने संग्रहित किये गये हैं, जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जिनकी रिपोर्ट आपे पर एवं विवेचना करने पर आयिम कार्यवाही औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम के अन्तर्गत नियमनुसार की जाएगी।

## भाकियू (बलराज) ने सौंपा ज्ञापन



**ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)** | भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में पैरामार्ट बिल्डर के खिलाफ वहाँ के निवासियों को सुरक्षा को लेकर जो पिछले हफ्ते जिलाधिकारी एवं पुलिस अयुक्त को ज्ञापन दिया था। पैरामार्ट और एसीपी एवं एडीएम से मध्यस्थाता में कलेक्टर सभार में बातों होनी थी। जिसमें बिलराज का सभापति अधिकारी नहीं पहुंचा और जिलाधिकारी ने एडीएम से वार्ता करने के लिए बोला किंतु एडीएम साहब का रेखा ठीक ना होने के कारण एडीएम साहब का रेखा ठीक हो गया। जिनकी रिपोर्ट आपे पर एवं विवेचना करने पर आयिम कार्यवाही औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम के अन्तर्गत नियमनुसार किया जाएगा।

आपे पर एवं विवेचना करने पर आयिम कार्यवाही औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम के अन्तर्गत नियमनुसार किया जाएगा।

## बंद कंप्लीशन मकान में पैदा हो रहे सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर



**नोएडा (चेतना मंच)** | सेक्टर-51 के निवासी के घर से एक बहुत बड़ा जहरीले सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर नहीं हुआ तो अगले हफ्ते से 22 अगस्त से पैरामार्ट के गेट नंबर एक पर अनिश्चितकालीन धरना प्रश्नशन शुरू करेंगे। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन बलराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी, राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल, महिला मोर्चा, जिला अध्यक्ष, रामवीर भाटी, युवा प्रदेश अध्यक्ष विधिन खारी, रामकुमार नागर, बाबा रंगी लाल, राष्ट्रीय कार्यकरिणी सदस्य आदि सोसायटी के विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करते हुए पृष्ठा प्रोलेख की शर्तों के नियमनुसार कार्य करेंगे।

जाए। सेक्टर-51 में तकरीबन 20 प्रतिशत मकान कंप्लीशन के बनाकर बंद पड़े हैं जिनमें ऐसी तह की समस्या से पड़ोसी निवासी परेशन है और उनके तकरीबन 20 प्रतिशत खाली भूमि पड़ी है। जिन पर अभी तक कोई मकान नहीं बन पाया है।

अनुरोध है कि जाए। सेक्टर-51 के निवासी के घर से एक बहुत बड़ा जहरीले सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर नहीं हुआ तो उनके बावजूद विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करते हुए पृष्ठा प्रोलेख की शर्तों के नियमनुसार कार्य करेंगे।

जाए। सेक्टर-51 में तकरीबन 20 प्रतिशत मकान कंप्लीशन के बनाकर बंद पड़े हैं जिनमें ऐसी तह की समस्या से पड़ोसी निवासी परेशन है और उनके तकरीबन 20 प्रतिशत खाली भूमि पड़ी है। जिन पर अभी तक कोई मकान नहीं बन पाया है।

अनुरोध है कि जाए। सेक्टर-51 के निवासी के घर से एक बहुत बड़ा जहरीले सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर नहीं हुआ तो उनके बावजूद विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करते हुए पृष्ठा प्रोलेख की शर्तों के नियमनुसार कार्य करेंगे।

जाए। सेक्टर-51 में तकरीबन 20 प्रतिशत मकान कंप्लीशन के बनाकर बंद पड़े हैं जिनमें ऐसी तह की समस्या से पड़ोसी निवासी परेशन है और उनके तकरीबन 20 प्रतिशत खाली भूमि पड़ी है। जिन पर अभी तक कोई मकान नहीं बन पाया है।

अनुरोध है कि जाए। सेक्टर-51 के निवासी के घर से एक बहुत बड़ा जहरीले सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर नहीं हुआ तो उनके बावजूद विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करते हुए पृष्ठा प्रोलेख की शर्तों के नियमनुसार कार्य करेंगे।

जाए। सेक्टर-51 में तकरीबन 20 प्रतिशत मकान कंप्लीशन के बनाकर बंद पड़े हैं जिनमें ऐसी तह की समस्या से पड़ोसी निवासी परेशन है और उनके तकरीबन 20 प्रतिशत खाली भूमि पड़ी है। जिन पर अभी तक कोई मकान नहीं बन पाया है।

अनुरोध है कि जाए। सेक्टर-51 के निवासी के घर से एक बहुत बड़ा जहरीले सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर नहीं हुआ तो उनके बावजूद विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करते हुए पृष्ठा प्रोलेख की शर्तों के नियमनुसार कार्य करेंगे।

जाए। सेक्टर-51 के निवासी के घर से एक बहुत बड़ा जहरीले सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर नहीं हुआ तो उनके बावजूद विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करते हुए पृष्ठा प्रोलेख की शर्तों के नियमनुसार कार्य करेंगे।

जाए। सेक्टर-51 के निवासी के घर से एक बहुत बड़ा जहरीले सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर नहीं हुआ तो उनके बावजूद विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करते हुए पृष्ठा प्रोलेख की शर्तों के नियमनुसार कार्य करेंगे।

जाए। सेक्टर-51 के निवासी के घर से एक बहुत बड़ा जहरीले सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर नहीं हुआ तो उनके बावजूद विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करते हुए पृष्ठा प्रोलेख की शर्तों के नियमनुसार कार्य करेंगे।

जाए। सेक्टर-51 के निवासी के घर से एक बहुत बड़ा जहरीले सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर नहीं हुआ तो उनके बावजूद विरुद्ध तुरंत कार्रवाई करते हुए पृष्ठा प्रोलेख की शर्तों के नियमनुसार कार्य करेंगे।

जाए। सेक्टर-51 के निवासी के घर से एक बहुत बड़ा जहरीले सांप-बिच्छू व अन्य जहरीले जानवर नहीं हुआ तो उनके बावज









## वया टी-सीरीज की फिल्म में नजर आने वाले हैं सना मकबूल और नैजी?

विग बॉस ओटीटी 3 खम हो चुका है। लेकिन, इसके प्रतिभागी खबूल लाइवलाइट में हैं। रैपर नैजी ने भी इस बार रिलायटिंग शो में हिस्सा लिया। शो के फ़ाइनल मुकाबले में भी उन्होंने जाह बनाई। हालांकि, ट्रॉपी पर सना मकबूल का कब्जा रहा। शो में नैजी ने दर्शकों को एकाफी मनोरंजन किया। दर्शकों को उनका शांत ख्याल काफी प्रसंद आया। नैजी अब चाहते हैं कि उनके जीवन पर फिल्म बने।

### जताई गली बॉय 2 की इच्छा

नैजी का एक वीडियो आज बुधवार को विरल भियाणा में अपने द्वारा शो पूछते नजर आ रहे हैं, पहले गली बॉय तो बन गई, लेकिन अब ये वाले स्ट्रॉपल पर भी एक मूर्खी बननी चाहिए। इस पर नैजी ने कहा, हाँ बननी चाहिए। तुम लोग अपील करो पल्लक से। बॉलीवुड के निर्देशकों से कहो कि नैजी भाई के ऊपर फिल्म बनाओ। बता दे कि फिल्म गली बॉय नैजी के जीवन पर आधारित है। विग बॉस के घर में रहते हुए नैजी ने भी इस बात का जिक्र किया था। मूर्खी बनने वाले कॉर्टेंट करें। इसके बाद पैरागी ने पूछा, भाई रद्देस लग रहा है। काम बहुत ज्यादा है? इस पर नैजी ने कहा, काम ही काम है। लेकिन, स्ट्रॉप नहीं होता अपने को, काम किनारा भी ही अपन हार्डवर्किंग है। और बहुत फ़ाइस होकर काम करता है। इसके बाद नैजी ने कहा, तो कैसे देखते हैं? एक कलाकार के तीर पर खुद को बेहतर करने के लिए देखते हैं।

**बोले - तैयार रहो पल्लिक**  
इसके बाद पैरागी ने पूछा कि उस दिन टी-सीरीज में अप और सना जी आए थे। तो कुछ कर रहा है वया टी-सीरीज। इस पर नैजी ने कहा, कुछ ही काम है। तैयार रहो पल्लिक। मालम हो कि हाल ही में सना मकबूल को टी-सीरीज के बाहर देखा गया। फिल्म गली बॉय की बात करें तो यह फिल्म वर्ष 2019 में आई थी। इसका निर्देशन जया अखर ने किया था। फिल्म में रणवीर सिंह और अलिया भट्ट अहम भूमिका में नजर आए।



## मुंज्या की सवसेस से अभय वर्मा को हुआ फायदा

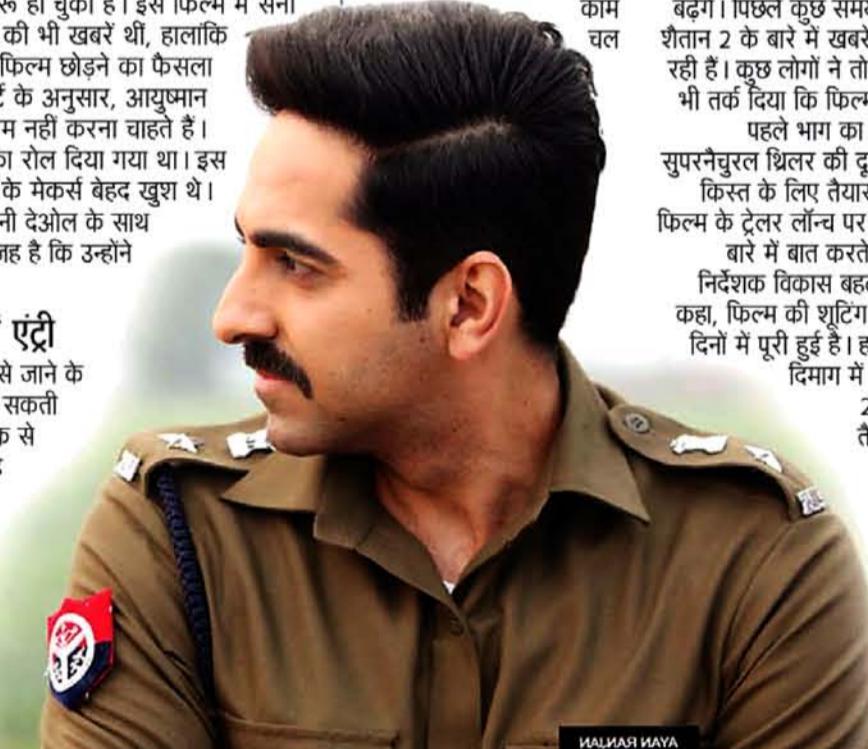
फिल्म मुंज्या की सवसेस से एकर अभय वर्मा को एकाफी फायदा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उह शाहरुख खान की आगली फिल्म किंग में अहम रोल मिल गया है। इस फिल्म में शाहरुख की बेटी सुहाना खान की अगली नजर आएंगी। अभय वर्मा एक अभियंक बच्चन के साथ एक बहुत अहम रोल में दिखेंगे। सुहा के मुताबिक, अभय को मुंज्या में अपने परकार्में के लिए काफी सराहना की मिली है जिसके बाद उह अच्छे रोल ऑफर किए जा रहे हैं। वो शाहरुख-सुहाना की फिल्म किंग में काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। मुंज्या की बात करें तो ये फिल्म जून में रिलीज हुई थी जिसमें अभय लीड रोल में थे। फिल्म सराहाइन विट थी थी और इसने सो करोड़ का कर्ज करता था। फिल्म किंग के बारे में बोले जाते हैं कि नैजी ने एकाफी बोले जाते हैं।

## आयुष्मान खुराना ने छोड़ी सनी देओल की बॉर्डर 2, किएदार से नाखुश थे

साल 1997 में रिलीज हुई मल्टीस्टारर फिल्म बॉर्डर 1 एक जबरदस्त हिट रही थी, जिसकी सीकल फिल्म बॉर्डर 2 की तैयारिया शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में सनी देओल के साथ-साथ आयुष्मान खुराना के होने की भी खबरें थीं, हालांकि ताजा रिपोर्ट्स की माने तो आयुष्मान खुराना ने फिल्म छोड़ने का फैसला कर लिया है। हाल ही में आई मिड-डे की रिपोर्ट के अनुसार, आयुष्मान खुराना अब बॉर्डर 2 में सनी देओल के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। फिल्म में आयुष्मान खुराना को आई सोलार का रोल दिया गया था। इस कोलेबोरेशन से आयुष्मान खुराना और बॉर्डर 2 के मेकर्स बेहद खुश थे। हालांकि समय के साथ आयुष्मान खुराना को सनी देओल के साथ सोपोर्टिंग रोल निभाने पर डाइट होने लगा। यही बाबू है कि उन्होंने फिल्म छोड़ने का फैसला कर लिया है।

### दिलजीत की हो सकती है फिल्म में एंट्री

रिपोर्ट्स ये भी हैं कि आयुष्मान खुराना के फिल्म से जाने के बाद अब उनकी जगह दिलजीत दोसाइ की दी जा सकती है। दिलजीत दोसाइ को फिल्म के मेकर्स की तरफ से ऑफर मिला है। फिल्म बॉर्डर 2 की 27वीं सालगिरह पर जून 2024 में एकर रसनी देओल ने बॉर्डर 2 की आनासमेंट की थीं। पोर्ट में उन्होंने लिखा, एक कौनी अपने 27 साल पूर्ण वादे को पूरा करने आ रहा है फिर से। इंडिया की सबसे बड़ी वीर फिल्म बॉर्डर 2 के दोसाइ ने बताया कि फिल्म को भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जे.पी.दता और निंदी दता मिलकर प्रोड्यूसर कर रहे हैं, जबकि इसे अनुराग सिंह डायरेक्ट करेंगे।



## आयरनमैन ट्रायथलॉन के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं सैयामी

बॉलीवुड अगिनेत्री सैयामी खेर आयरनमैन ट्रायथलॉन ऐसे की तैयारी में जुटी हुई है। अगिनेत्री इस दौड़ में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो एस्ट्रिंग में आयोजित की जाएगी। सैयामी इस ऐसे में भाग लेने वाली बॉलीवुड की पहली अगिनेत्री है। मगर सैयामी को इस बात की उम्मीद है कि इसमें भाग लेने वाली वो आयिटी एव्ट्रेस नहीं होगी।

आयरनमैन ट्रायथलॉन ऐसे को दिया गया है कि सबसे कठिन ट्रायथलॉन में से एक माना जाता है। इसमें रियमा, साइकिल चलाने और दौड़ना एक कठिन ट्रेनिंग होती है।

चलाने में एकसीटें बोय गया था। इसके बाद लागा आठ महीने तक मैंने कुछ भी नहीं किया।

रूप से स्वस्थ नहीं थी। इस साल

फरवरी में मैंने रेस के लिए ट्रेनिंग ली।

यह छह महीने की बहुत ही कठिन

ट्रेनिंग थी। मैं सर्व में बहुत मेहनत कर

रही हूं व्यक्ति के एक फिल्म की

शृंखला कर रही हूं। मैं हांदिन घटे घटे ट्रेनिंग लेती हूं। छुटी के दिनों में पांच-

छह घंटे की ट्रेनिंग लेती हूं। मगर मैं

इससे बिक्सल भी परशान नहीं हुई।

अभिनेत्री ने कहा, इस दौड़ के लिए

आपको मानसिक रूप से बेहतु

होना पड़ा है। यह एक बहुत चुनौती है।

उन्होंने कहा कि दौड़ के लिए एक

शारीरिक क्षमता, बल्कि मेरी मानसिक

शक्ति की परीक्षण है। मैं ऐसा

इसलिए कर रही हूं। यह एक बहुत

चुनौती है। अपनी खुशी से अपनी

प्रीति की जीवनी से अपनी

